D.B. College, Jaynagar
Deptt of pol. science
B.A III- Pub. Admini-

DR. A. K. Yadav
Asstt Prof. G.P.T.T
Political science.

Date-03-11-2020

NOV— Lecture No- 02 And 03

वैज्ञानिक प्रबन्ध की अवधारणा
(Concept of scientific management)

अमेरीकी उद्योगपति और अभियन्ता-चार्ल्स बैबेज तथा हेनरी आर० टोवन के द्वारा सर्वप्रथम 'वैज्ञानिक प्रबन्ध' शब्द का प्रयोग किया गया है। इन दोनों विद्वानों ने न केवल वैज्ञानिक प्रबन्ध शब्द का प्रयोग किया, बल्कि उन्होंने प्रबन्ध सम्बन्धी कई नवीन विचार धाराएं भी प्रस्तुत की है। बाद में फ्रेडरिक विन्सलो टेलर के द्वारा समान कार्य पद्धतियों का प्रत्यक्ष व पूर्ण विश्लेषण किया गया तथा यह निष्कर्ष व्यक्त किया गया कि आदर्श प्रबन्ध ही सच्चा विज्ञान है (Best management is a true science) टेलर के द्वारा प्रतिपादित प्रबन्ध सिद्धान्त को ही संगठन का प्रथम व्यवस्थित एवं क्रमबद्ध सिद्धान्त माना जाता है।

एफ० डब्लू टेलर ने वैज्ञानिक प्रबन्ध के सिद्धान्त का प्रतिपादन 20वीं शताब्दी के प्रारम्भ में संयुक्त राज्य अमेरिका के तत्कालीन संगठनात्मक समस्याओं में सुधार लाने के लिए किया। उस समय संयुक्त राज्य अमेरिका के कारखानों तथा उत्पादन केन्द्रों में सभी कुछ अनियोजित था कार्य व कार्य पद्धति के प्रमाणीकरण का पूर्ण अभाव था। श्रमिक अपनी कार्य पद्धति का चयन करने तथा कार्यों में संयुक्त उपकरणों के चुनाव करने के लिए पूर्ण स्वतंत्र थे। प्रबन्धकों को श्रमिक प्रबन्ध के अन्तर दायित्व की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं थी। प्रबन्ध सम्बन्धी अधिकतर निर्णय अवैज्ञानिक थे; क्योंकि वे साधारणतः पुराने अनुभव तथा अनुभवजन्य

Scanned with CamScanner

नियमों पर आधारित थे। विभागों में कार्य विभाजन के विषय में सही अध्ययनों का अभाव था। श्रमिकों को उनकी योग्यता, क्षमता तथा अभिरुचियों के अनुरूप उपयुक्त स्थान पर नियुक्ति नहीं की जाती थी। उत्पादन केन्द्रों में कार्य पद्धति की सक्षमता तथा उन कार्यों में प्रयुक्त उपकरणों की उपयुक्तता के प्रति प्रबन्धकों की उपेक्षा के फलस्वरूप उत्पादन में कमी होती थी तथा कामगार और प्रबन्धकों में संघर्ष होता था। टेलर ने इसी परिप्रेक्ष्य में अपने वैज्ञानिक प्रबन्ध के सिद्धांतों का प्रतिपादन किया है, जिसका उद्देश्य उच्चतम औद्योगिक क्षमता का विकास करना था। टेलर ने भी अपने वैज्ञानिक प्रबन्ध के विचारों को चार महत्वपूर्ण लेखों में अभिव्यक्त किया है।

1. Piece Rate system
2. Shop Management
3. The Art of cutting metals
4. The principles methods of scientific management

टेलर के अनुसार, वैज्ञानिक प्रबन्ध के सिद्धांत का दर्शन यह है कि प्रबन्ध का कामगारों तथा उपभोक्ताओं के हितों से कोई अन्तर्निहित टकराव नहीं होता है। उनके विचार में वैज्ञानिक प्रबन्ध का मुख्य उद्देश्य प्रबन्धकों की अधिक समृद्धि के साथ-साथ प्रत्येक कामगार को भी अधिकतम धन प्राप्त कराना है। उच्चतर उत्पादकता के परिणामों से सभी लोग समान रूप से लाभान्वित हों अर्थात कामगारों को अच्छी मजदूरी, प्रबन्धकों को अधिक लाभ तथा उपभोक्ताओं को निम्न कीमतों पर उत्तम उत्पादित वस्तु प्राप्त हो।

टेलर ने प्रबन्ध के इन सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप प्रदान करने के लिए वैज्ञानिक प्रबन्ध के सिद्धांतों को चार प्राथमिक सिद्धांतों पर आधारित किया है—।

1. वैज्ञानिक प्रबन्ध के अन्तर्गत कार्य के वास्तविक विज्ञान के विकास पर सबसे अधिक बल दिया गया है।
2. वैज्ञानिक प्रबन्ध के अन्तर्गत कामगारों के वैज्ञानिक पद्धति से चयन तथा उनके प्रयोग को भी आवश्यक माना गया है।
3. टेलर ने कार्य के विज्ञान तथा वैज्ञानिक ढंग से चयनित एवं प्रशिक्षित लोगों का एक साथ काम करना आवश्यक माना है।
4. वैज्ञानिक प्रबन्ध के अन्तर्गत कार्य एवं उत्तरदायित्व के विभाजन पर जोर दिया गया है।

Scanned with CamScanner